प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 04 जनवरी, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज मलयाली एसोसिएशन, रांची द्वारा कैराली स्कूल में आयोजित 'केरल फेस्ट' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केरल केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि ज्ञान, दर्शन, संस्कृति और मानवीय मूल्यों की जीवंत भूमि है। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जैसी महान विभूति की जन्मभूमि केरल ने अद्वैत वेदांत के माध्यम से सम्पूर्ण भारत को आध्यात्मिक रूप से एक सूत्र में बाँधने का कार्य किया है। यह परंपरा भारत की सांस्कृतिक एकता का सशक्त प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 'ईश्वर का अपना देश' कहलाने वाला केरल अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ शिक्षा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों के लिए भी देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। केरल की भाषा, साहित्य, संगीत और कलाओं ने भारतीय संस्कृति को निरंतर समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि 'केरल फेस्ट' जैसे आयोजन इसी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के सजीव उदाहरण हैं। केरल की शास्त्रीय और लोक कलाएँ, संगीत, नृत्य, पारंपरिक वेशभूषा और विशिष्ट खान-पान रांची की धरती पर जीवंत रूप में प्रस्तुत

किए गए। यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद और आपसी सौहार्द का सुंदर माध्यम है।

राज्यपाल महोदय ने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड-बिहार क्षेत्र में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर 'केरल फेस्ट' का आयोजन किया गया, जिसमें केरल से कलाकारों की सहभागिता रही। ऐसे आयोजन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करते हैं और विभिन्न संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक उत्सव युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और भारत की बहुरंगी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मलयाली एसोसिएशन, रांची भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाता रहेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि केरल की पहचान उसकी उच्च साक्षरता, सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता से भी जुड़ी है, जिसने राज्य को मानव विकास के कई मानकों पर अग्रणी बनाया है। समता, सह-अस्तित्व और आपसी सम्मान केरल समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने देशभर में मलयाली समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय है। विशेष रूप से देश के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत केरल

की नर्सें सेवा-भाव की प्रेरक मिसाल हैं, जो झारखंड सहित अनेक राज्यों में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दे रही हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मलयाली समाज के लोग भारत सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों तथा लोक उपक्रमों में कुशलतापूर्वक सेवाएँ दे रहे हैं। मलयाली एसोसिएशन, रांची का 55 वर्षों से सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय रहना सराहनीय है। 'कैराली स्कूल' इसका सशक्त उदाहरण है, जो रांची के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में अपनी विशेष पहचान रखता है।